ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

काकी

क्लास -७

पाठ का नाम –काकी

पाठ -२

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

पाठ व्याख्या

की चिट रहेगी, तो पतंग ठीक वहीं पहुंच जायेगी।''

खुशी-खुशी शामू और भोला अंधेरी कोठरी में बैठे पतंग में रस्सी बांध रहे थे। अचानक शुभ काम में बाधा आ गयी। कुपित बिसेसर वहां आ घुसे। भोला और शामू को धमकाकर बोले—''तुमने हमारे कोट से रुपया निकाला है?''

एक ही डांट में भोला मुखबिर हो गया। बोला—''शामू भैया ने रम्सी और पतंग मंगाने के लिए

निकाला था।'' बिसेसर ने शामू को दो तमाचे जड़कर कहा, "चोरी सीखकर जेल जायेगा? अच्छा, तुझे आज ठीक से समझाता हूं।'' अब रस्सियो की ओर देखकर पूछा, "ये किसने मंगायी?''

भोला ने कहा—"शामू भैया ने मंगायी थी। कहते थे, इससे पतंग तानकर काकी को राम के यहां से नीचे उतारेंगे।

बिसेसर हैरान से वहीं खड़े रह गये। उन्होंने फटी हुई पतंग उठाकर देखी। उस पर चिपके हुए कागज पर लिखा हुआ था—"काकी।"

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्दार्थ

- सकपकाकर -चकित होना; असमंजस में पड़ना; दुविधाग्रस्त होना
- तमाचे –थप्पड़
- हतप्रभ –अवाक
- चिपका –जो चिपका हो ,लगा हुआ हो
- **व्याकरण प्रश्न**
- **बिलोम शब्द लिखिए**
- होनी –
- संभव –
- उतारना –
- लिखना --

गृहकार्य

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- भोला को कौन धमकाकर बोले और क्यों ?
- भोला सकपकाकर क्या बोला ?
- चोरी सीख कर जैल जाएगा –किसने किसको क्यों कहा ?
- किसको नीचे उतारने केलिए पतंग का सहारा लिया जा रहा था ?
- कौन हतप्रभ हो गए और क्यों ?
- पतंग पर क्या लिखा था ?
- यदि आप कहानी के मुख्य पात्र के जगह होते तो क्या करते ?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP